बैंकों द्वारा मंजूर और नामंजूर किये गये आवेदनों का ब्यौरा निम्नलिखित है :—

1. शिक्षित बेरोजगार युवकों को रोजगार दिलाने की योजना (एस० ई० ई० यू० वाई०) :

क्रमांक	वर्ष	जिला उद्योग केंद्रों में प्राप्त आवेदनों की संख्या	बैंकों द्वारा स्वीकृत आवेदनों की संख्या	बैंकों द्वारा अस्वीकृत आवेदनों की संख्या
1.	1992–93 . .	39344	10013	2987
2.	1993–94 . .	38453	8918	7332

2. प्रधान मंत्री की रोजगार योजना (पी० ए० एम० आर० वाई०) :

1.	1992–93	योजना आरंभ ही नहीं हुई थी ।		
2.	1993–94 . .	26851	3989	431

उद्योग विहीन जिले

6988. श्री ईश्वरा यादव : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार उद्योग विहीन जिलों के संबंध में किस आधार पर निर्णय करती है और इस संबंध में मापदंड क्या हैं ;

(ख) उन्हें किस तरह से सहायता प्रदान की जाती है ; और

(ग) पिछले दो वर्षों के दौरान सरकार द्वारा कितने उद्योग विहीन जिलों में उद्योग खोले गये हैं और इस संबंध में राज्यवार ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) जिला उद्योग केन्द्र कार्य योजना, 1979–80 के अनुसार जिन जिलों में कोई बड़ा अथवा मझोला उद्योग नहीं है उन्हें "उद्योग हित जिले" के रूप में वर्गीकृत किया गया था । देश में कुल 93 जिलों को "उद्योग रहित जिले" माना गया है ।

(ख) केन्द्र सरकार उद्योग रहित जिलों में बुनियादी सुविधाओं की एक योजना चला रही थी जिसके अंतर्गत परियोजना लागत की एक तिहायी धनराशि भारत सरकार द्वारा दी जाती थी । 1988 में नयी विकास केन्द्र योजना शुरू होने से "उद्योग रहित जिलों" के लिए यह योजना समाप्त कर दी गई है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

देश में तिलहनों की पिरायी क्षमता

6989. श्री राम जेठमलानी :
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पिछले वर्षों से देश में तिलहनों के पर्याप्त उत्पादन से तिलहन

पिरायी उद्योग को कच्चे माल की उपलब्धता सहज हो गयी है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और मार्च, 1994 के अंत तक देश में तिलहन पिरायी उद्योग की कुल प्रतिष्ठापित क्षमता कितनी थी ;

(ग) क्या यह सच है कि तिलहन पिरायी उद्योग में कुल पिरायी क्षमता के अभाव के कारण तिलहनों में से पूरी तरह से तेल नहीं निकाला जा रहा है ; और

(घ) यदि हां, तो अद्यतन तकनीकों का प्रयोग न करने के कारण तथा कुशलता के अभाव में देश को कितने प्रतिशत कम तेल उपलब्ध हो रहा है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही): (क) और (ख) कृषि मंत्रालय के अनुसार तिलहन की उपज वर्ष 1992–93 में 202.7 लाख मी० टन की तुलना में वर्ष 1993–94 में 218.5 लाख मी० टन होने की सम्भावना है । फिर भी तिलहन के उत्पादन में वृद्धि, देश में तिलहन पिरायी क्षमता में अनुमानित वृद्धि के अनुरूप नहीं है ।

वनस्पति तेल उद्योग का दिनांक 24–7–1991 से लाइसेंस मुक्त कर दिये जाने के कारण, तिलहन पिरायी की अधिष्ठापित क्षमता के बारे में कोई प्रमाणित जानकारी उपलब्ध नहीं है । उपलब्ध अनन्तिम सूचनाओं के अनुसार मार्च, 1994 के अन्त तक तिलहन पिरायी की कुल अनुमानित क्षमता 350 लाख मी० टन के लगभग थी ।

(ग) और (घ) आम तौर से पिरायी के बाद खली में बचा हुआ तेल 6 से 8% के बीच होता है । उपलब्धता के आधार पर खली में बचे हुए इस तेल का साल्वेंट निस्सारण किया जाता है ताकि अधिक से अधिक तेल प्राप्त किया जा सके ।

Expansion of diamond Industry

6990. SHRI AHMED MOHMED-'BHAI PATEL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the Diamond industry in Surat which contributes around 80 per cent of the value in the export of diamonds, is passing through a cririca l stage;

(b) if so, what are the main reasons for the same;

(c) whether the new technology was also introduced which resulted in the massive expansion of diamond industry at Surat:

(d) whether in view of the expansion, areas like Varachha Road, Mahida vara etc. are flooded with diamond processing units;

(e) whether the largest concentration of the units and labour have caused problems like lack of sanitation and pollution;

(f) if so, the steps taken in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM); (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Yes, Sir.

(d) Yes, Sir.

(e) and (f) It is true that heavy con-tration of units and labour in certain areas of Surat city has led to problem of sanitation. There are however no problem of pollution because Diamond processing is a -non-polluting industry, ,1a. recent years, some modern well design processing units have been set up in less congested areas to overcome problems arising out of concentration